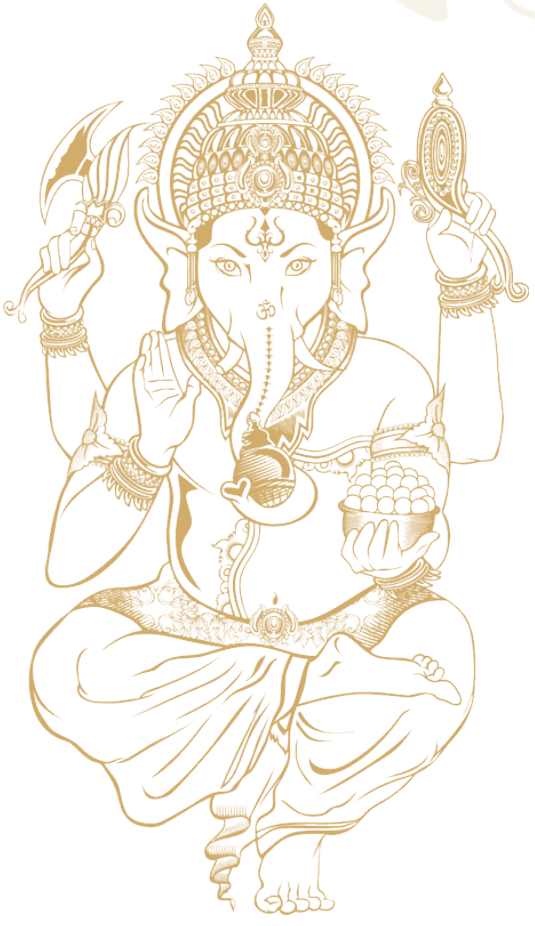

Yudhveer

14 Mar 2005

12:40 PM

Fazilka

Model: web-freekundliweb

Order No: 121102102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/03/2005**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:40:00 घंटे**
इष्ट	14:46:40 घटी
स्थान	**Fazilka**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:26:00 उत्तर
रेखांश	74:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:06:16 घंटे
वेलान्तर	-00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	23:34:17 घंटे
सूर्योदय	06:45:19 घंटे
सूर्यास्त	18:41:03 घंटे
दिनमान	11:55:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:52:38 कुम्भ
लग्न के अंश	13:34:51 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:34:51	320:04:08	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	29:52:38	00:59:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	19:50:51	12:58:18	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मक	01:25:13	00:43:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध			मीन	17:55:31	00:46:54	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	22:31:56	00:06:36	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	25:37:46	01:14:48	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	26:31:23	00:00:52	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
राहु			मीन	29:04:53	00:01:38	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु			कन्या	29:04:53	00:01:38	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:47:47	00:03:21	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:31:44	00:01:54	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:32:30	00:00:26	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	29:04:15	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:40

लग्न-चलित

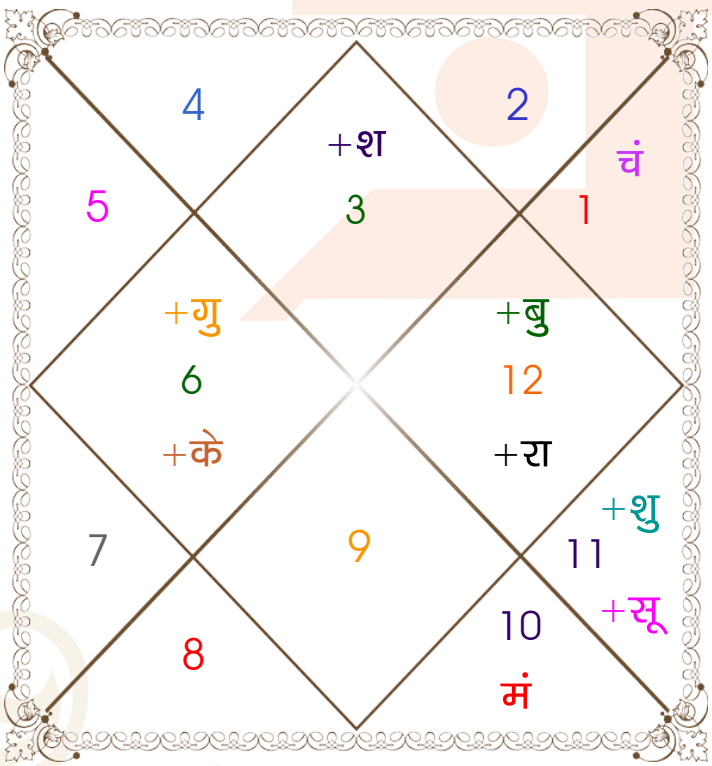

चन्द्र कुंडली

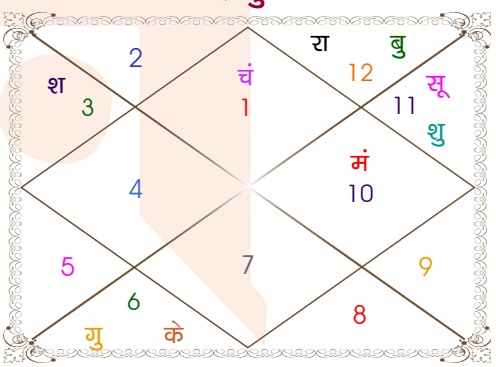

नवमांश कुंडली

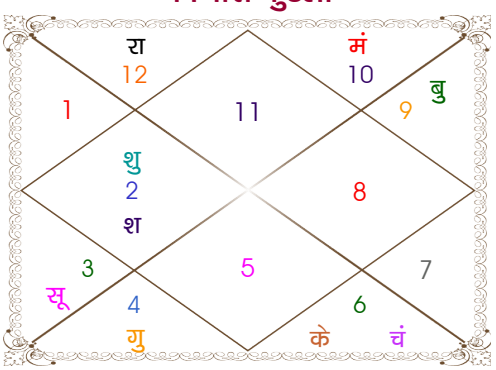

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 2 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/03/2005		06/06/2015		06/06/2021		06/06/2031		06/06/2038	
06/06/2015		06/06/2021		06/06/2031		06/06/2038		05/06/2056	
	00/00/0000	सूर्य	24/09/2015	चंद्र	06/04/2022	मंगल	02/11/2031	राहु	16/02/2041
	00/00/0000	चंद्र	24/03/2016	मंगल	05/11/2022	राहु	20/11/2032	गुरु	13/07/2043
	00/00/0000	मंगल	30/07/2016	राहु	06/05/2024	गुरु	27/10/2033	शनि	19/05/2046
	14/03/2005	राहु	24/06/2017	गुरु	05/09/2025	शनि	05/12/2034	बुध	05/12/2048
राहु	05/08/2005	गुरु	12/04/2018	शनि	06/04/2027	बुध	03/12/2035	केतु	23/12/2049
गुरु	05/04/2008	शनि	25/03/2019	बुध	05/09/2028	केतु	30/04/2036	शुक्र	23/12/2052
शनि	06/06/2011	बुध	29/01/2020	केतु	06/04/2029	शुक्र	30/06/2037	सूर्य	17/11/2053
बुध	06/04/2014	केतु	05/06/2020	शुक्र	05/12/2030	सूर्य	05/11/2037	चंद्र	19/05/2055
केतु	06/06/2015	शुक्र	06/06/2021	सूर्य	06/06/2031	चंद्र	06/06/2038	मंगल	05/06/2056

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/2056		05/06/2072		06/06/2091		06/06/2108		07/06/2115	
05/06/2072		06/06/2091		06/06/2108		07/06/2115		00/00/0000	
गुरु	25/07/2058	शनि	09/06/2075	बुध	02/11/2093	केतु	02/11/2108	शुक्र	07/10/2118
शनि	04/02/2061	बुध	16/02/2078	केतु	30/10/2094	शुक्र	03/01/2110	सूर्य	07/10/2119
बुध	13/05/2063	केतु	28/03/2079	शुक्र	30/08/2097	सूर्य	10/05/2110	चंद्र	07/06/2121
केतु	18/04/2064	शुक्र	28/05/2082	सूर्य	06/07/2098	चंद्र	09/12/2110	मंगल	07/08/2122
शुक्र	18/12/2066	सूर्य	10/05/2083	चंद्र	06/12/2099	मंगल	08/05/2111	राहु	15/03/2125
सूर्य	06/10/2067	चंद्र	08/12/2084	मंगल	03/12/2100	राहु	25/05/2112		00/00/0000
चंद्र	04/02/2069	मंगल	17/01/2086	राहु	22/06/2103	गुरु	01/05/2113		00/00/0000
मंगल	11/01/2070	राहु	23/11/2088	गुरु	27/09/2105	शनि	10/06/2114		00/00/0000
राहु	05/06/2072	गुरु	06/06/2091	शनि	06/06/2108	बुध	07/06/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 3 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।